

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन

स्रोत: न्यूज़ ऑन एयर

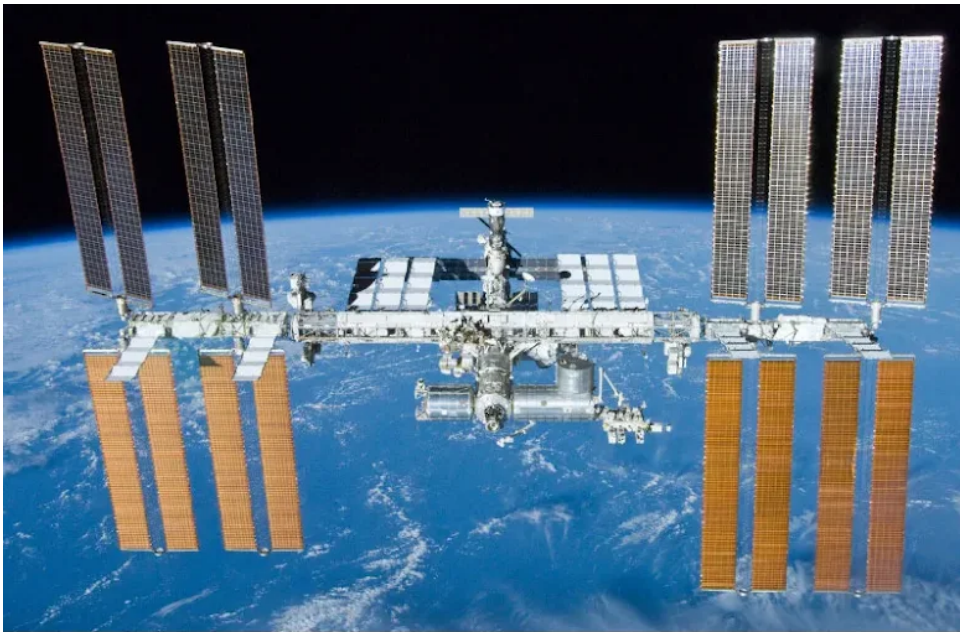
भारतीय सरकार वर्ष 2035 तक एक पूर्ण रूप से परचालित **भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (Bharatiya Antariksh Station - BAS)** स्थापित करने और वर्ष 2040 तक चंद्रमा पर **भारतीय मानवयुक्त मशन** भेजने की योजना बना रही है, जो 'वक्सति भारत 2047' के दृष्टिकोण से पहले की महत्वाकांक्षा है।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS)

- **परिचय:** अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के समान योजनाबद्ध, BAS पृथ्वी की परकिरमा 400–450 कमी की ऊँचाई पर करेगा और वैज्ञानिक अनुसंधान का समर्थन करेगा।
- **घटक:** यह पाँच मॉड्यूलों से बनेगा, जिनमें चरणबद्ध तरीके से वक्सति किया जाएगा, जिसमें बेस मॉड्यूल वर्ष 2028 में तैयार होने और स्टेशन वर्ष 2035 तक पूर्ण रूप से परचालित होने की योजना है।
- **महत्त्व:**
 - भारत की वैश्विक अंतरिक्ष स्थिति को उन्नत करना, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान और जैवप्रौद्योगिकी तथा पदार्थ विज्ञान में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सक्षम बनाना।
 - दीर्घ अवधि के मानवयुक्त अंतरिक्ष मशिनों का समर्थन करना, आपदा निगरानी के लिये पृथ्वी अवलोकन को बढ़ाना और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना, साथ ही **STEM** प्रतभाओं को प्रेरित करना।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)

- ISS, LEO में सबसे बड़ा रहने योग्य उपग्रह है, जो अनुसंधान और सहयोग के लिये एक वैश्विक अंतरिक्ष प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है।
- यह 15 देशों का संयुक्त उपक्रम है, जिसका नेतृत्व **NASA**, **रोस्कोसमोस**, **यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी**, **JAXA** और **कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी** द्वारा किया जाता है। इसमें 108 से अधिक देशों से 3,000 से अधिक प्रयोग किये जाते हैं।



International Space Station: Interesting facts:a

The International Space Station is a large spacecraft. It orbits around Earth. It is a home where astronauts live.

The space station is also a science lab. Many countries worked together to build it. They also work together to use it.

The space station is made of many pieces. The pieces were put together in space by astronauts. The space station's orbit is approximately 250 miles above Earth.

The first piece of the International Space Station was launched in 1998. A Russian rocket launched that piece. After that, more pieces were added. Two years later, the station was ready for people.

The space station is as big inside as a house with five bedrooms. It has two bathrooms, a gymnasium and a big bay window. Six people are able to live there. It weighs almost a million pounds.

The space station is a home in orbit. People have lived in space every day since the year 2000. The space station's labs are where crew members do research.

Astronauts and supplies are ferried by the U.S. space shuttles and the Russian Soyuz and Progress spacecraft.



PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/bharatiya-antariksh-station>

